# मार्च, 2017 - तेल ताड़ खेती के प्रबंधन के लिए सुझाव

- तेल ताड़ पौधे को रोपने के पहले 2 फीट लम्बाई 2 फीट चौड़ाई और 2 फीट गहराई गड्ढा तैयार करके उस में रोपना चाहिए।

- तेल तड़ रोपने के समय 400 ग्राम्स सिंगल सुपर फॉस्फेट, 50 ग्राम्स फोरट और एक टोकरी गोबर कि खाद को गाड़टे के अंदर मिटटी में मिलाना चाहिए।

- तेलताड़ पौधे को रोपाई के समय ही खेत मे ले जाएं ई ।पौधे को उठाने तथा परिवहन के पश्चात उन्हे ज्यादा दिन खुले स्थान पर नहीं रखें । तेज बढ़वार और अधिक उत्पादन केलिये पौधे को तुरंत रोपाई करें।

- रोपण के तुरन्त एक मीटर थ्रेअज्या का थाला बनाना चाहिए।तेल ताड को पर्याप्त मात्रा में सिंचाई की अवस्यकता होती है। सिंचाई की नालियाँ ऐसे दंग से बनायी जानी चाहिए/ कि प्रतथेक वृक्ष को एक छोटी नाली द्वारा पानी दिया जा सकता है।

- तेलताड़ खेती में सिंचाई केलिए प्रथम वर्ष पौधों के एक मीटर थ्रेअज्या का थाला बनाना चाहिए। दुसरे वर्ष में थाला दो मीटर तथा तीसरे वर्ष और उसके बाद तीन मीटर थ्रेअज्या का तथा बनाना चाहिए।

- तेलताड़ कि खेती में, गर्मी के मौसम में हल्की मृदाओ में सिंचाई बहूत बार कम पानी होना चाहिए। क्योंकि अधिक पानी एक सात देने से पोषक तत्वों का नुकसान अधिक हो सकता है।